## प्रस्तावना
## Preamble

**विद्या भारती** उच्च शिक्षा संस्थान एक स्वयं सेवी-सेवाभावी संस्थान है जो शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों के गुणात्मक क्रियान्वयन एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ढाँचागत सुधार के लिए कार्यरत है। यह संस्थान भारतीय ज्ञान परम्परा, दर्शन एवं मूल्य व्यवहार में निरूपित होकर देश के विशिष्ट शिक्षाविदों एवं विद्वानों के नेतृत्व में एक रूपान्तरकारी संगठन के रूप में सक्रिय है। यह संस्थान उच्च शिक्षा से जुड़े अनेक हितधारकों के मध्य परस्पर विमर्श, संवाद एवं परिचर्चा के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भारत केन्द्रित परिसर पर्यावरण के निर्माण में संलग्न है।

विद्या भारती 1952 से ही भारत केन्द्रित शिक्षा की दृष्टि लेकर देशभर में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है। छात्र-छात्राओं को शिक्षा, संस्कार और सामाजिक चेतना की दृष्टि से विकसित कर देश व समाज के लिए योग्य व सक्षम पीढ़ी का निर्माण इसका उद्देश्य है। राष्ट्रीय शिक्षा-प्रणाली के आधार पर एक समरस, सुसंपन्न और सुसंस्कृत राष्ट्र के निर्माण व विकास के लिए विद्या भारती प्रतिबद्ध है। विद्या भारती का कार्य समाज-आधारित व समाज-पोषित है। भारतीय शिक्षा दर्शन व आदर्श के आधार पर बालक-बालिकाओं में ज्ञान, कौशल और संवेग (Impetus) विकसित कर एक संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण के संकल्प के साथ देशभर में सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं। कुशल एवं प्रतिबद्ध शिक्षकों के निर्माण के लिए 25 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। 40 स्थानों पर डिग्री कॉलेज चल रहे हैं। समेकित रूप में शिक्षा जगत् में किए गए इस कार्य को समाज की व्यापक स्वीकृति प्राप्त हुई है।

उच्च शिक्षा के आदर्श स्वरूप और गतिविधियों का निर्धारण कर उद्देश्यानुकूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संकल्पना को साकार करने के लिए विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना की गई है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों के साथ संपर्क, संवाद व समन्वय स्थापित कर एक सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य करने की महती आवश्यकता है। संस्थानों के बीच परस्परपूरकता व सहयोग का वातावरण निर्मित कर महाविद्यालयों में प्राचीनता और नवीनता, पाश्चात्य (Occidental) और पौर्वात्य (Oriental) तथा भारतीय ज्ञान-परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय के आधार पर देश में उच्च शिक्षा की संरचना विकसित किए जाने की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण के साथ-साथ शोध और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने की महती आवश्यकता है। इसके लिए यह संस्थान प्रतिबद्ध है। संपूर्णता में हमारा शिक्षा संस्थानों को Quality Circle या Cente of Excellence के रूप में विकसित करने का प्रयास करना है।


### प्रबंधकारिणी समिति

**अध्यक्ष**
**प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा**
अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद, तकनीकी शिक्षा सदन, हरियाणा सरकार

**उपाध्यक्ष**
**मा. प्रकाश चन्द्र**, नोएडा
**डॉ. मंजूश्री सरदेशपांडे**
सह-प्राध्यापक, अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, आर. एस. मुंडले धर्मपेठ महाविद्यालय, नागपुर
**प्रो. प्रशांत गुप्ता**
संकाय अध्यक्ष शैक्षणिक, आई आई एम, नागपुर
**डॉ. मुरली मनोहर**
सेवानिवृत व्याख्याता, हैदराबाद
**डॉ. शशिरंजन अकेला**
जनसंपर्क अधिकारी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल

**महामंत्री**
**प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा**
पूर्व कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

**मंत्री**
**श्री नागराज रेड्डी**, बैंगलुरु
**प्रो. किरण हज़ारिका**
सह-कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
**डॉ. शोभिता सतीश**
प्राचार्य, विवेकानन्द कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पुत्तूर
**प्रो. अखिलेश मिश्र**
प्राचार्य, शंभू दयाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाज़ियाबाद

**कोषाध्यक्ष**
**डॉ. सूर्यकांत शर्मा**
चिकित्सक, नोएडा

**संगठन मंत्री**
**मा. के. एन. रघुनंदन**, नोएडा



विद्या भारती
उच्च शिक्षा संस्थान
Vidya Bharati
Uchcha Shiksha Sansthan

एच-107ए,सेक्टर-12, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) 201301
टेलीफोन -0120-4338616 मोबाइल - 9999694251
E-mail : vbheducation@gmail.com, contact@vbuss.org
Twitter/Facebook/Instagram : @VBUSSOrg
http://vbuss.org


सा विद्या या विमुक्तये

# विद्या भारती
# उच्च शिक्षा संस्थान

भारतीय शिक्षा दर्शन और
जीवन मूल्यों के लिए समर्पित संस्थान

सा विद्या या विमुक्तये

# विद्या भारती
## उच्च शिक्षा संस्थान

हमारी संकल्पबद्धता

**अच्छे नागरिकों का निर्माण**
**गुणवत्तापूर्ण संस्थानों का विकास**
**समरस,सुसम्पन्न, सुसंस्कृत राष्ट्र**

### दृष्टि कथन VISION STATEMENT

भारतीय शिक्षा-दर्शन, मनोविज्ञान और जीवन मूल्यों के आधार पर सृजनशीलता, जीवन दृष्टि, चिंतन, कौशल, सामाजिक संवेदना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अभिरुचि, क्षमता और व्यवहार-कौशल का युगानुकूल विकास कर सुयोग्य, सक्षम, सच्चरित्र और अध्यवसायी पीढ़ी का निर्माण एवं विकास करना जो देशभक्ति, समाज सेवा और वैश्विक दृष्टि से ओत-प्रोत हो तथा समरस, सुसम्पन्न तथा सुसंस्कृत समाज व राष्ट्र के निर्माण हेतु कृतसंकल्प हो।

### संकल्प MISSION

शासन और समाज द्वारा संचालित उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सतत और सघन संपर्क व संवाद करते हुए उनके विकास में सहयोग करना तथा सभी हितधारकों की क्षमता का विकास करना। शाश्वत तथा समग्र जीवन दृष्टि से युक्त शिक्षण व अध्ययन सामग्री का विकास करना, तत्संबंधी शोध परियोजनाओं का संचालन करना, विभिन्न पाठ्य विषयों में विशेषज्ञों, प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षकों का निर्माण एवं विकास करना तथा छात्रों, शिक्षकों एवं प्रबंधन के लिए बहुविध कार्यक्रमों का विकास करना।

### हमारा प्रेरणा स्रोत OUR SOURCE OF INSPIRATION

विद्या भारती गत 65 वर्षों से अधिक समय से देश के सभी क्षेत्रों, सभी वर्गों में समर्पित शिक्षकों एवं समाज के सहयोग से जन सामान्य की शिक्षा के लिए कार्यरत है। विद्या भारती के शिक्षा क्षेत्र के कार्य को समाज में स्वीकार्यता, आत्मीय सहयोग, सहानुभूति एवं विश्वास प्राप्त हुआ है, इसके फलस्वरूप शिक्षा क्षेत्र का एक प्रभावी एवं परिणामकारी कार्य समाज के सामने है। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान उसी से अनुप्राणित होकर उच्च शिक्षा क्षेत्र में कार्य कर रहा है।समाज के कई प्रबुद्धजन भी व्यक्ति या संस्था के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देश के सभी छात्रों को उपलब्ध कराने हेतु प्रयासरत हैं तथा यह भी सुखद संयोग है कि भारत की 21वीं सदी की वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के मानदंडों को प्राप्त करने का उद्देश्य एवं संकल्प व्यक्त किया गया है। आइए इस पुनीत अवसर एवं समान उद्देश्यों के लिए हम सब मिलकर कार्य करें। गुणवत्तायुक्त बहुसंकायी तथा आदर्श शिक्षकों के माध्यम से शोध और प्रशिक्षण को समर्पित ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों को विकसित करने का प्रयास करें, जिससे उत्कृष्ट वातावरण में नवाचार एवं उत्तरदायी पाठ्यक्रम, शिक्षण तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार लेकर ज्ञान युक्त समाज का निर्माण हो सके। एक श्रेष्ठ भारत-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, आवश्यक तकनीकी ज्ञान और मूल्यांकन पद्धति का विकास करते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों से अच्छे सृजनशील, स्वाभिमानी, कुशल एवं क्षमतावान् युवक-युवतियों का निर्माण सुनिश्चित करें।

### वैशिष्ट्य FEATURES

- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सभी शासकीय व गैर-शासकीय संस्थानों के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए संकल्पबद्ध हो कार्य करना।
- 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुरूप उच्च शिक्षा में नवाचार एवं तकनीकी के उपयोग पर बल देना।
- विद्या भारती प्रारंभ से ही उच्च शिक्षा में स्वायत्तता की पक्षधर है; अतः संस्थाओं की स्वायत्तता का समर्थन व संरक्षण करना तथा स्वायत्तता और उत्तरदायित्व भाव के दृढ़ीकरण का प्रयास करना।
- शैक्षिक समूह (Cluster) की रचना करना तथा अपेक्षाकृत व्यवस्थित, संसाधनयुक्त तथा यशस्वी संस्थानों को शैक्षिक समूह (Cluster Center) केन्द्र के रूप में विकसित कर परस्परपूरकता के आधार पर एक-दूसरे के विकास में सहयोगी होना, सामूहिक रूप से कार्यों व कार्यक्रमों का निर्धारण करना।
- शैक्षिक समूह के अंतर्गत सभी महाविद्यालयों/संस्थानों में परस्पर संपर्क, संवाद व समन्वय स्थापित कर सहयोगात्मक, सकारात्मक और सृजनशील वातावरण के निर्माण व विकास में सहयोगी होना।
- विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं इससे जुड़े अन्य संस्थाएं एक-दूसरे के साथ मिलकर समेकित रूप में कार्य करेंगी तथा इनमें से प्रत्येक इकाई महत्त्वपूर्ण और स्वतंत्र होगी, परंतु प्रत्येक संस्थान गुणवत्तायुक्त शिक्षा के आदर्श की संप्राप्ति के लिए एक-दूसरे का सहयोगी होगा।
- विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सभी संलग्न एवं संपर्कित संस्थानों द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व का वहन करना तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, पारदर्शिता, विश्वसनीयता व प्रामाणिकता की स्थापना करना।
- विशिष्ट प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए एक अभिप्रेरक वातावरण का निर्माण करना तथा शोध कार्य हेतु प्रोत्साहन और सहयोग करना।
- उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रबंधन की कुशलता व क्षमता विकसित करना।
- विकसित व ज्ञान-आधारित समाज के विकास में सहयोग करना।
- ई-अधिगम एवं दूरस्थ अधिगम के लिए सुविधाओं का सृजन करना तथा शिक्षकों की क्षमता का विकास करना।
- महाविद्यालयों में 'Earn while you Learn' योजना को लागू करना।
- मूल्य शिक्षा पर बल देना।
- एक विशिष्ट व समरसतापूर्ण शिक्षा परिवार के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करना।
- छात्रों के समग्र एवं सर्वांगीण विकास हेतु परिसरों में प्रभावी वातावरण एवं पंचकोषात्मक अध्ययन विधि को बढ़ावा देना।

### कार्य-योजना ACTION PLAN

- विद्या भारती की दृष्टि से सहमति व्यक्त करने वाले संस्थानों को संपर्कित संस्थान के रूप में संलग्न करना। सभी संपर्कित संस्थानों के साथ सतत संवाद, समन्वय और सहयोग स्थापित करना।
- एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर संकुल रचना (Institutional Cluster) का निर्धारण करना, पारस्परिक सहयोग के आधार पर संस्थाओं के विकास में सहयोगी होना।
- प्रयोगधर्मी, गुणवत्तायुक्त और प्रतिष्ठित संस्थानों की उत्कृष्टताओं को चिन्हित करते हुए उनके विचारों एवं प्रयोगों को अन्य संस्थानों तक ले जाना।
- पाठ्यक्रमों, पुस्तकों तथा गतिविधियों की समीक्षा करना एवं संबंधित शासकीय अभिकरणों को सुझाव देना तथा पाठ्यक्रम-निर्माण में सहयोग देना।
- शैक्षिक संस्थानों, नियामक संस्थानों एवं अन्य संगठनों से सहयोग एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करना।
- सामयिक और महत्त्वपूर्ण सामाजिक, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विषयों, समस्याओं व चुनौतियों पर समाजप्रबोधन के कार्य करना एवं दायित्व-बोध का निर्माण करना।
- शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता के मूल्यांकन और प्रत्यायन (Accredition) के मानकों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा संस्थानों को उनकी प्राप्ति में सहयोग करना।
- स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक आवश्यकता को केन्द्र में रख कर विभिन्न विषय-क्षेत्रों की पारस्परिकता को प्रोत्साहित करते हुए ज्ञान की एकात्म दृष्टि के संवर्धन हेतु शोध के विषयों/परियोजनाओं को ध्यान में रख कर उनके लिए संसाधनों की उपलब्धता के लिए प्रयत्न करना, विशिष्ट शोध संस्थान विकसित करना, शोध के परिणामों का प्रकाशन करना एवं शोध के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान-परंपरा को समुचित स्थान दिलाने के लिए प्रयत्न करना।
- वैश्विक स्तर पर स्थापित उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों/विश्वविद्यालयों से संबंध स्थापित करना, भारतीय संस्थानों के साथ उनके अनुभवों का आदान-प्रदान करना।
- उच्च शिक्षा में शिक्षण, अध्ययन, प्रबंधन, शोध, आदि के क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करना और दूरस्थ क्षेत्रों में तकनीक की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रयत्न करना।
- पत्रिकाओं, जर्नल्स तथा विविध विषयों से संबंधित साहित्य का प्रकाशन करना। संगोष्ठियों, वेबिनार, कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों का आयोजन करना।
- कौशल विकास से संबंधित गतिविधियों की योजना का निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहयोग करना।
- उच्च शिक्षा से संबंधित विषयों, नियमों व निर्देशों की अद्यतन (Up to date) सूचनाओं का अध्ययन करना तथा संस्थाओं को प्रेषित करना।
- सामयिक और महत्त्वपूर्ण विषयों पर शिक्षकों, शिक्षाविदों और विचारकों के साथ विचार-विमर्श करना।
- बहुभाषी विकास (Multilingual Development) की योजना का निर्माण कर उसके क्रियान्वयन में संस्थानों को सहयोग करना।
- शिक्षा में सुशासन हेतु प्रबंधन एवं प्रबंधक वर्ग के विकास की योजना का निर्माण तथा क्रियान्वयन करना।
- सभी-हितधारकों में राष्ट्र एवं समाज के प्रति संवेदना (Concern) विकसित करना।

http://vbuss.org